उपलब्धि

इस वर्ष अप्रैल-मई में 21500 करोड़ रुपये के उत्पादों का हुआ निर्यात

यूपी बना देश का छठवां बड़ा निर्यातक, निर्यात में 152 प्रतिशत की हुई बढ़ोतरी

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश में निर्यात को बढ़ावा देने के लिए बनाई गई योजनाओं का असर दिखने लगा है। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल एवं मई में राज्य से 21,500.85 करोड़ रुपये का निर्यात हुआ है। जबकि पिछले वित्त वर्ष में 8511.34 करोड़ रुपये का सामान निर्यात किया गया था। इस चालू वित्तीय वर्ष में निर्यात पिछले वर्ष के मुकाबले 152.67 फीसदी अधिक है। यह जानकारी विभिन्न राज्यों से हुए निर्यात संबंधी केंद्र सरकार के नवीनतम आंकड़ों से मिली है।

अधिकारियों का कहना है कि देश के प्रमुख निर्यातक राज्यों में उत्तर

प्रदेश छठवें स्थान पर है। चालू वित्तीय वर्ष में कालीन, दरी, टेक्सटाइल फैब्रिक, ओवन फैब्रिक, मैडमेड स्टैपल फैब्रिक, फुटवियर, ग्लासवेयर, आयरन, स्टील, एल्युमिनियम, प्लास्टिक उत्पाद, सिल्क, कृत्रिम फू जैसे सामानों का विदेशों को भारी निर्यात किया गया। नेपाल, बंगलादेश और दक्षिण पूर्व एशिया के देशों ने कोरोना काल के दौरान यूपी से बड़ी संख्या ओडीओपी उत्पाद मंगवाए।

अप्रैल-मई में 742.47 करोड़ रुपये के फुटवियर का निर्यात किया गया। जबकि बीते साल 147.04 करोड़ रुपये का निर्यात हुआ था। इस वर्ष अप्रैल-मई में 310.77 करोड़ रुपये के ग्लासवेयर का निर्यात किया गया। बीते साल 39.99 करोड़ रुपये का ही निर्यात हुआ था। चावल, खिलौने, दवाई, कालीन, सिल्क, उर्वरक, मछली उत्पाद, चीनी और कृत्रिम फूल जैसे सामानों के विदेशों से खूब ऑर्डर मिले।

हर जिले में बनेंगे ओवरसीज ट्रेड प्रमोशन-फैसिलिटेशन सेंटर

राज्य सरकार ने निर्यात में हुई वृद्धि के सिलसिले को बरकरार रखने के लिए हर जिले में ओवरसीज ट्रेड प्रमोशन और फैसिलिटेशन सेंटर बनाने का फैसला किया हैं। इससे प्रदेश के 25 ज्यादा निर्यात वाले जिलों से निर्यात में 250 करोड़ की बढ़ोतरी होने का अनुमान है। वहीं, 25 अपेक्षाकृत कम निर्यात वाले जिलों में निर्यात में 125 करोड़ की बढ़ोतरी और शेष जिलों से 25 करोड़ के निर्यात में वृद्धि होगी। उधर, एमएसएमई विभाग ने एक केंद्रीय फैसिलिटेशन सेंटर भी बनाने की योजना तैयार की है। इससे निर्यात में 400 करोड़ रुपये की वृद्धि होगी। वहीं, लगभग 4000 लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। इसके अतिरिक्त 10 देशों के राजदूतों के माध्यम से निर्यात को बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।